केन-बेतवा प्रभावित 14 गांवों में लगेंगे शिविर

पात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 11 अगस्त. कलेक्टर मृणाल मीणा की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित हुई. बैठक में केन-बेतवा लिंक परियोजना के पुनर्वासित 14 गांवों में शिविर लगाकर लोगों की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए.

कलेक्टर ने स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, जनजातीय कार्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा और आयुष विभाग को संयुक्त रूप से शिविर लगाने के निर्देश दिए.शिविरों में स्वास्थ्य जांच, समग्र आईडी, आधार अपडेशन, लाड़ली बहना योजना में नामांकन, हैंडपंप, पीएम किसान की ई-केवाईसी सहित अन्य समस्याओं का समाधान किया जाएगा.प्रभावित गांवों में दोबारा सर्वे कराकर यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि कोई पात्र व्यक्ति मुआवजा या पुनर्वास पैकेज से वंचित न रहे. एनटीपीसी बरेठी प्लांट के लिए भूमि अधिग्रहण के बाद भुगतान से वंचित लोगों से वचन पत्र लेकर एनटीपीसी के माध्यम से भुगतान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए.तरमीम और मुआवजा वितरण से जुड़ी लंबित समस्याओं का भी जल्द निराकरण करने को कहा गया.

तिरंगा अभियान में सहभागिता की अपील

शासन के निर्देशानुसार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है .अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा ग्राम, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर निर्धारित कार्यक्रम अनुसार विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं .कलेक्टर मृणाल मीणा ने जिलेवासियों से अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने तथा अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने की अपील की है .उन्होंने जिलेवासियों से अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया .

जनसमस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए

बैतूल। कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं ध्यान पूर्वक सुनीं। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, भूमि विवाद, पेंशन, आवास, बिजली, पानी सहित अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई। इस दौरान उन्होंने कई प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर मौके पर ही निराकरण कराया, वहीं शेष मामलों में समय-सीमा तय करते हुए अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम निमानवाड़ा निवासी योगेश पाटनकर ने ग्राम के मंदिर से लेकर गांव के बाहर जाने वाली सड़क पूरी तरह खराब हो जाने और आवागमन में हो रही परेशानियों से कलेक्टर को अवगत कराया।

दबंगों की प्रताड़ना से परेशान परिवार पहुंचा जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट

नवभारत न्यूज

गुना। दबंगों की प्रताड़ना और लगातार मिल रही धमकियों से तंग आकर एक पीड़ित परिवार न्याय की उम्मीद में कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में गुहार लगाने पहुंचा। आरोन निवासी बृजेश प्रजापति अपनी पत्नी गंगा प्रजापति और अपने पांच मासूम बच्चों को लेकर कलेक्टर और एसपी दोनों के सामने अपनी आपबीती सुनाने पहुंचे, जहां अधिकारियों और मीडिया के सामने दंपति के सब्र का बांध टूट गया और वे बिलख-बिलख कर रो पड़े।

पीड़ित गंगा प्रजापति ने बताया कि उनके ससुर पुश्तैनी जमीन का बड़ा हिस्सा गांव के एक दबंग को पहले ही बेच चुके हैं। अब उनके पास केवल एक प्लॉट बचा है, जो पांचों बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और भरण-पोषण का एकमात्र सहारा है। आरोप है कि जमीन खरीदने वाला दबंग अब इस बचे हुए प्लॉट को भी हड़पने की नीयत से उन्हें गांव छोड़ने पर मजबूर कर रहा है। इसके लिए वह गांव के ही अन्य लोगों को ढाल बनाकर आए दिन विवाद करवाता है और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। जनसुनवाई के दौरान मासूम बच्चों ने भी अधिकारियों के सामने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि आरोपी उनके पिता को जान से मारने और मारपीट करने की धमकियां देते हैं। इस वजह से वे स्कूल जाने में डरते हैं और उनके स्कूल जाते समय अभद्रता व गाली-गलौज की जाती है, जिससे उनकी पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। पीड़ित बृजेश का आरोप है कि जब वे इस गंभीर मामले की शिकायत लेकर स्थानीय पुलिस थाने गए, तो उन्हें राहत मिलने के बजाय यह कहकर डराया गया कि इन लोगों से दूर रहें, अन्यथा उन्हीं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा। पुलिस प्रशासन से कोई मदद न मिलने पर मजबूरन पूरे परिवार को कलेक्टर और एसपी की चौखट पर दस्तक देनी पड़ी। दंपति और बच्चों ने प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि दबंगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए तथा उन्हें व उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि वे बिना किसी भय के शांति से मेहनत-मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर सकें और बच्चे निर्भीक होकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

फतेहगढ़ में बेजुबान सांड पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला

गुना। फतेहगढ़ स्थित प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर के पास से एक इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ किसी अज्ञात और क्रूर व्यक्ति ने एक बेजुबान सांड पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। हमला इतना खौफनाक और जोरदार था कि कुल्हाड़ी का धारदार हिस्सा सांड के शरीर में गहराई तक धँस गया और बाहर ही नहीं निकल सका। अत्यंत पीड़ादायक स्थिति में यह बेजुबान दो दिनों तक अपने कूल्हे में फंसी कुल्हाड़ी को लेकर घूमता रहा और दर्द से कराहता रहा। जब गौसेवकों की नजर इस दिल दहला देने वाले नजारे पर पड़ी, तो उनके होश उड़ गए। गौसेवकों ने बिना देरी किए अपनी टीम को मौके पर एकत्रित किया और पशु चिकित्सक को बुलाकर बड़ी मशक्कत के बाद सांड के

कूल्हे में फंसी कुल्हाड़ी को बाहर निकाला और उसका उपचार शुरू कराया। इस क्रूरता से आक्रोशित होकर गौसेवकों ने 10 अगस्त की शाम फतेहगढ़ थाने पहुँचकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि कुल्हाड़ी पर मिले निशानों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर में गांजा रखने के आरोपी को 8 साल की कैद

नवभारत न्यूज

आष्टा 11 अगस्त. घर में अवैध गांजा रखने के मामले में विशेष न्यायाधीश ने आरोपी को 8 वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है. मामले में शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक सुश्री रेखा चौरसिया ने पैरवी की.

अभियोजन के अनुसार 19 जून 25 को आष्टा थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम भंवरा निवासी बालमुकुंद के घर में अवैध मादक पदार्थ रखा हुआ है. सूचना पर पुलिस टीम ग्राम भंवरा आरोपी के घर पहुंची. पुलिस द्वारा तलाशी की कार्रवाई की गई, जिसमें घर के पीछे स्थित कमरे में गांजा पाया गया. पुलिस ने सामग्री को तौलने पर बोरी सहित उसका वजन 11 किलो 500 ग्राम पाया. पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय में पेश किया. प्रकरण की सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश ने आरोपी बालमुकुंद पिता दरयाव सिंह निवासी भटोरी रोड़ ग्राम भंवरा थाना आष्टा को 8 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया. प्रकरण में शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक सुश्री रेखा चौरसिया ने प्रभावी पैरवी की.

गुलगांव रोड का दूधिया झरना बना आकर्षण

सांची, 11 अगस्त . नगर से महज एक किलोमीटर दूर गुलगांव रोड स्थित पहाड़ी पर बारिश के बाद बहने वाला दूधिया झरना इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. लगातार बारिश के बाद पहाड़ी से तेज धार के साथ पानी गिरने लगा है. हरी-भरी पहाड़ियों के बीच बहता सफेद पानी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है. झरने के बहने के साथ ही सांची और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा विदिशा सहित दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में सैलानी यहां पहुंच रहे हैं. पुरुष, महिलाएं और बच्चे घंटों झरने के आसपास रुककर प्राकृतिक नजारे का आनंद ले रहे हैं. कई लोग झरने में नहाने का आनंद ले रहे हैं, जबकि परिवार और युवाओं की टोलियां यहां पिकनिक मनाने भी पहुंच रही हैं. बारिश के बाद पहाड़ी क्षेत्र में चारों ओर फैली हरियाली और झरने की कल-कल करती धारा प्राकृतिक सौंदर्य को और बढ़ा रही है.

महिला और देवर पर डंडों से हमला, सिर फूटा

- पुरानी रंजिश में बेरखेड़ी चौराहे पर वारदात
- दो सगे भाइयों ने जानलेवा किया हमला

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 11 अगस्त . क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते बेखौफ बदमाशों द्वारा सरेराह मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है. सलामतपुर थाना क्षेत्र के बेरखेड़ी चौराहे पर इलाज कराने आए एक परिवार पर दो सगे भाइयों ने जानलेवा हमला कर दिया. बदमाशों ने डंडों और लात-घूसों से महिला और उसके देवर की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे देवर के सिर में गंभीर चोट आई है और महिला के हाथ-पैर में गहरी चोटें पहुँची हैं.

बता दें कि खोहा गांव की निवासी परवीन बी अपने देवर सोहैल खान के साथ स्वास्थ्य संबंधी इलाज के लिए बेरखेड़ी

चौराहे स्थित डॉक्टर के क्लीनिक पर आई थीं. दोनों जैसे ही चौराहे पर पहुँचे, तभी पूर्व से रंजिश रख रहे ग्राम नेकाम चोराखेड़ी (थाना विदिशा) निवासी दो सगे भाई, शरीफ खान और इरफान खान पिता सलीम खान अचानक वहाँ आ धमके.

गाली-गलौज के बाद डंडे से सिर पर किया वार

प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों ने देखते ही दोनों को घेर लिया और पुरानी रंजिश का हवाला देते हुए भद्दी-भद्दी गालियाँ देने लगे. जब सोहैल ने गाली देने का विरोध किया, तो आरोपी शरीफ ने जान से मारने की नियत से लकड़ी के डंडे से सोहैल के सिर पर ज़ोरदार वार कर दिया, जिससे उसका सिर फट गया और वह लहूलुहान होकर ज़मीन पर गिर पड़ा.

जब भाभी परवीन बी अपने देवर को बचाने बीच-बचाव में आईं, तो दोनों भाइयों ने उनके साथ भी लात-घूसों से जमकर मारपीट की. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल सांची सिविल अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है. पीड़िता परवीन बी की शिकायत पर सलामतपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शरीफ और इरफान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 351(3), 115(2), और 3/5 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

इनका कहना है...

बेरखेड़ी चौराहे पर पुरानी रंजिश के चलते महिला और उसके देवर के साथ मारपीट की घटना हुई है. पीड़िता की रिपोर्ट पर दोनों नामजद भाइयों के खिलाफ अपराध पंजीकृत कर लिया गया है. मामले की बारीकी से विवेचना की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है.

श्यामराज सिंह सोमवंशी, थाना प्रभारी, सलामतपुर

दीवा डागा ने बैतूल का नाम विश्व में किया रोशन

बैतूल। सतपुड़ा वैली स्कूल की कक्षा 11वी की छात्रा एवं स्कूल कैप्टन दीवा डागा ने कैम्ब्रिज एएस लेवल एग्जामिनेशन जून 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 92 प्रतिशत का उत्कृष्ट कुल स्कोर हासिल कर विद्यालय और बैतूल का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि ने स्कूल की शैक्षणिक उत्कृष्टता को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। दीवा ने परीक्षा के विभिन्न विषयों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

जनसुनवाई में दिव्यांग को मिली ट्राइसाइकिल

कलेक्टर मृणाल मीणा ने मौके पर दिलाई जरूरतमंदों सहायता

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 11 अगस्त.जिला पंचायत सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में ग्राम माधोपुर, चंदला निवासी 53 वर्षीय दिव्यांग द्वारका अहिरवार अपनी समस्या लेकर

पहुंचे. उनकी परेशानी सुनने के बाद कलेक्टर मृणाल मीणा ने तत्काल ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए. कलेक्टर के निर्देश पर सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारियों ने प्रक्रिया पूरी कर जनसुनवाई के तुरंत बाद ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई.कलेक्टर ने स्वयं द्वारका अहिरवार को ट्राइसाइकिल सौंपी.ट्राइसाइकिल मिलने पर द्वारका अहिरवार भावुक हो गए.उन्होंने कहा कि अब उन्हें रोजमर्रा के काम और आवागमन के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा.उन्होंने कलेक्टर और जिला प्रशासन का आभार जताया.जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए.

छपते-छपते

डोभाल से मिले सर्जियो गोर

अमेरिकी राजदूत ने भारत के शीर्ष अधिकारियों से बढ़ाया संपर्क

नई दिल्ली, 11 अगस्त. भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की. बैठक में दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल बढ़ाने पर चर्चा हुई.

बैठक के बाद सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसे सार्थक मुलाकात बताया. उन्होंने कहा कि वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के साथ अमेरिका की करीबी साझेदारी बेहद जरूरी है. गोर के मुताबिक, भारत और अमेरिका के कई लक्ष्य समान हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है.

विदेश सचिव से मुलाकात के एक दिन बाद डोभाल से बैठक। सर्जियो गोर की अजीत डोभाल से यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब वह लगातार भारत के शीर्ष अधिकारियों और प्रमुख लोगों के साथ संपर्क बढ़ा रहे हैं. डोभाल से मिलने से एक दिन पहले सोमवार को उन्होंने विदेश सचिव विक्रम मिस्री से भी मुलाकात की थी.

इस बैठक के बाद गोर ने विक्रम मिस्री के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए कहा था कि विदेश सचिव से मिलना हमेशा अच्छा लगता है. दोनों के बीच क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रम के साथ भारत-अमेरिका संबंधों से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई. भारत और अमेरिका के बीच मौजूदा बातचीत का दायरा केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है. दोनों देश रक्षा,

व्यापार, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं.हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए हिंद-प्रशांत और पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति भी दोनों देशों के लिए अहम हो गई है. तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हाल में हुए रक्षा समझौते के बाद क्षेत्र में नए रणनीतिक समीकरणों को लेकर भी चर्चा तेज हुई है. हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि डोभाल और गोर की बैठक में इस समझौते का मुद्दा उठा या नहीं. गोर की लगातार उच्चस्तरीय मुलाकातों से कुछ दिन पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की थी. पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच दोनों नेताओं के बीच व्यापार, रक्षा और ऊर्जा समेत भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई थी.

साइबर अपराधों पर नकेल और निपटरा करें : एसपी

जबलपुर। साइबर अपराधों पर त्वरित एक्शन लेकर साइबर अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ा जाए। लंबित प्रकरणों की तुरंत जांच पूरी कर निपटरा किया जाए ताकि फरियादियों को थानों के चक्कर न काटने पड़ें। यह बातें पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने पुलिस कन्ट्रोलरूम में राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों की बैठक लेते हुए कहीं।इस दौरान उन्होंने पूर्व में द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों पर धरातल पर हुई कार्यवाहियों का विस्तृत रिव्यू किया। बैठक के दौरान एसपी ने लंबित मामलों की प्रगति जांची साथ ही मंथन भी हुआ। लंबित प्रकरणों पर उन्होंने नाराजगी भी जाहिर की। बैठक में वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती यानी साइबर अपराधों पर विशेष फोकस रहा। साइबर ठगी और अन्य डिजिटल अपराधों की बारिकी से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों के साथ इस बात पर विस्तार से चर्चा की कि साइबर अपराधों की जांच में व्यावहारिक स्तर पर क्या समस्याएं आ रही हैं। अपराधों की विस्तार से समीक्षा की गयी एवं लंबित अपराधों के निराकरण के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।इसके साथ ही एसपी ने कहा कि अन्य राज्यों से ऑन लाईन नोटिस प्राप्त होते है तो उन्हे वेरीफाई कराते हुये सम्बंधित थाने के माध्यम से तामील कराना सुनिश्चित करें।

सीबीआई में बड़ा फेरबदल! 3 नए ज्वाइंट डायरेक्टर तैनात

नई दिल्ली. केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में सीनियर लेवल पर बड़ा प्रशासनिक बदलाव होने जा रहा है. अपॉइंटमेंट्स कमेटी ऑफ द कैबिनेट यानी एसीसी ने तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की सीबीआई में तैनाती को लेकर मंजूरी दे दी है. तीनों आईपीएस अधिकारियों को ज्वाइंट डायरेक्टर तौर पर तैनाती दी जा रही है. इन तैनातियों के बाद सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है. सीनियर आईपीएस अधिकारी अखिलेश कुमार सिंह को सीबीआई में तैनाती दी गई है. वे महाराष्ट्र कैडर के 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं. उन्हें यह तैनाती बतौर ज्वाइंट डायरेक्टर दी गई है. वे आईपीएस अधिकारी सुधा सिंह की जगह कार्यभार संभालेंगे. इसी तरह बिहार कैडर के 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी सत्यवीर सिंह को भी सीबीआई में ज्वाइंट डायरेक्टर बनाया गया है. वह आईपीएस अधिकारी अश्विन शेनवी की जगह जिम्मेदारी संभालेंगे. वहीं, झारखंड कैडर के अनिश गुप्ता को सीबीआई में ज्वाइंट डायरेक्टर नियुक्त किया गया है. वे 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी है. वे रामनिश गीर के सुपरएनुएशन यानी सेवानिवृत्ति के बाद उनकी जगह कार्यभार संभालेंगे. माना जा रहा है कि इन नियुक्तियों के बाद सीबीआई में वरिष्ठ स्तर पर प्रशासनिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं.

सख्ती ग्वालियर हाईकोर्ट में बिलौआ अवैध खनन मामले की सुनवाई : कलेक्टर रुचिका चौहान व्यक्तिगत रूप से हुई उपस्थित

कोर्ट में देखी गई ड्रोन वीडियोग्राफी दिनभर चली तीखी बहस

ग्वालियर 11 अगस्त. ग्वालियर हाईकोर्ट की डबल बेंच में बिलौआ और रफादपुर क्षेत्र में जारी अवैध उत्खनन व परिवहन के चर्चित मामले पर कड़ा रुख जारी है। हाईकोर्ट के कड़े निर्देशों के पालन में मंगलवार को ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित हुई.

इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में शनिवार को कराई गई पूरे माइनिंग एरिया व क्रशरों की ड्रोन वीडियोग्राफी (पेन ड्राइव) को कोर्ट रूम में देखा गया, जिसके

बाद सुबह से शाम तक मामले पर विस्तृत बहस हुई।

ड्रोन वीडियोग्राफी से परखी गई एक-एक इंच की स्थिति- याचिकाकर्ता अकरम खान द्वारा डिफॉल्टर खदानों की लीज के नवीनीकरण को चुनौती देते हुए जनहित याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ियां और तथ्य छिपाने की बात उजागर होने पर कोर्ट ने पूर्व में ही 16 खदानों में खनन पर तत्काल रोक लगा दी थी। क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन करने के लिए कोर्ट के निर्देश पर शनिवार को पूरे माइनिंग और क्रशर जोन की एरियल ड्रोन वीडियोग्राफी कराई गई थी।

अवैध उत्खनन रोकने खनिज विभाग ने कोर्ट में दिए सुझाव- अवैध खनन व परिवहन पर कड़ाई से नकेल कसने के लिए खनिज विभाग ने सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष कई महत्वपूर्ण तकनीकी प्रस्ताव रखे। जिनमे प्रमुख रूप से सीसीटीवी कैमरों से निगरानी: बिलौआ और रफादपुर क्षेत्र की सभी खदानों तथा क्रशरों पर हाई-टेक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

स्वचालित वे-ब्रिज (धर्म कांटा): ओवरलोडिंग रोकने के लिए ऑटोमैटिक वजन मशीनें स्थापित होंगी, जिससे गिट्टी से भरे ट्रकों के गुजरते ही पूरी जानकारी स्क्रीन पर दर्ज हो जाएगी। रूट डायवर्जन की चुनौती: बिलौआ में पुलिस चेकपोस्ट और सख्ती बढ़ने के बाद गिट्टी परिवहन करने वाले ट्रकों द्वारा बिजौली के रास्ते का इस्तेमाल किए जाने का मुद्दा भी सामने आया।

> खनिज अधिकारियों के विवादित रिकॉर्ड पर घिरे अफसर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डीपी सिंह ने तत्कालीन एवं वर्तमान प्रभारी खनिज अधिकारियों के खिलाफ लंबित जांचों के दस्तावेज कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किए। तत्कालीन खनिज अधिकारी यादव पर बिना रॉयल्टी ट्रकों को छोड़ने के गंभीर आरोपों में ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त जांच का ब्योरा पेश किया गया.